पार्थेनियम से कैसे बचें

पी0 के0 मुखर्जी
ए0 ई0 528, साल्ट लेक
कोलकता(प0 बं0)–700064, भारत

पार्थेनियम का पौधा

पार्थेनियम का फूल

पार्थेनियम के पौधे के पत्ते में "पार्थनिन" नाम का एक बहुत जहरीला रासायनिक पदार्थ मौजूद है। वह मनुष्य शरीर के साथ लग जाने पर "एग्जिमा" जैसी त्वचा की व्याधि उत्पन्न कर सकता है, जिसका उपचार लगभग असंभव है। इसके प्रभाव से त्वचा में शोथ, रिसाव, कालेपन, मोटाई और रूखापन आदि हो सकते हैं। आँख, गले के दोनों हिस्से, कपाल और कोहनी में इसका ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इस पौधे के रेणु से एलर्जी होने पर श्वांस नली में संक्रमण होने का खतरा भी बढ़ जाता है। मनुष्य के अलावा पशु और पक्षी भी इस पौधे के सन्निकट रहने से बीमार हो सकते हैं। पार्थेनियम के पौधे से निकलने वाला रस उसकी गन्ध या उसके सूखे हुए टुकड़े का जहरीलापन संलग्न पेड़ पौधों का उत्पादन कम कर देता है।

फल या फूल के बनने से पूर्व ही इस पौधे को जला देना चाहिए। रासायनिक तरीके से चूना या नमक पानी या खर–पतवार नाशक के इस्तेमाल से इस पर कुछ असर नहीं होता है। यह आस–पास के पेड़–पौधों और मिट्टी को ज्यादा हानि पहुँचाता है। यह बहुत तेजी से फैलकर बढ़ता है। इसके एक पौधे से आठ या दस हजार बीज पैदा होते हैं। बीज हल्का होने के कारण तेजी से फैल जाता है। पतित जमीन, राह के दोनों ओर तथा लोकालय में इस पौधे का उगना एक गंभीर समस्या है। कृषिविद्, परिवेशविद्, उद्भिदविद् और चिकित्सक सभी ने इसके बारे में चिंता व्यक्त की है।

"सेरेसिया" नामक जंगली पौधों के सहारे से पार्थेनियम के पौधे को विनष्ट किया जा सकता है। इस पौधे के नरम पत्ते को साग की तरह खाया जाता है, और पत्ते के रस से त्वचा की बीमारियों का इलाज होता है। यह पौधा इतने धीरे से बढ़ता और फैलता है ताकि पार्थेनियम वाली समस्या उत्पन्न नहीं होती है। पार्थेनियम का पौधा अपने से उत्सर्जित कई रासायनिक पदार्थों से दूसरे पौधों को हानि पहुँचाता है। एकदम उसी प्रकार से केसिया पार्थेनियम के पौधे को विनष्ट कर देता है। उसकी खुशबू और सूखे अंश में ऐसा कोई संघटक है जो पार्थेनियम के बीज को अंकुरित होने नहीं देता है। हमारे देश में *पार्थेनियम* के पौधे के बाद *केसिया* को देखा गया है। इसीलिए *पार्थेनियम* के पौधे पर इसका गहरा असर है।

इस प्रकार से पार्थेनियम के पौधे को पूरी तरह से समाप्त करने में बहुत समय बीत जायेगा। पर हमें यह आशा है कि केसिया को जमीन पर लगा के चार या पाँच वर्ष में अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

हाल ही में बंगलुरू सिटी कार्पोरेशन बहुत सारे स्थानों पर पार्थेनियम के पौधे उखाड़कर केसिया के बीज बोने का कार्य करने में जुटा है। *केसिया* के बीज के पर्याप्त मात्रा में प्राप्त करने हेतु कई हैक्टेयर जमीन में *केसिया सेरिसिया* लगाया गया है।

नोट:– प्रस्तुत लेख लेखक के अपने व्यक्तिगत विषय ज्ञान एवं अनुभव पर आधारित है तथा किसी भी अतिरिक्त अध्ययन सामग्री का प्रयोग नहीं किया गया है।